an>

Title: The Minister of Home (Shri Rajnath Singh) made a Statement regarding Terrorist Attack at Udhampur in Jammu and Kashmir on 5th August, 2015.

HON. SPEAKER: Now, the hon. Minister of Home Affairs may make a statement.

*m01

गृह मंत्री (श्री राजनाथ सिंह) : महोदया, 5 अगस्त, 2015 की सुबह लगभग 7.00 बजे उधमपुर शहर से 18 किलोमीटर दूर जिला ऊधमपुर तहसील चिनानी में नरसू नाला के समीप जम्मू श्रीनगर हाईवे पर बीएसएफ काफिले के ऊपर आतंकवादी हमला हुआ। इस घटना में बीएसएफ के दो जवान 59वीं बटालियन के कांस्टेबल रॅकी न. 120628139 निवासी जिला यमुना नगर हरियाणा और 2nd बटालियन के कांस्टेबल शुभेन्दु राय नं. 994001100 निवासी जिला जलपाईगुड़ी पश्चिम बंगाल शहीद हो गए और बीएफएफ के 14 अन्य जवाल घायल हो गए। इस हमले में संलिप्त दो आतंकवादियों में से एक को मार गिराया गया, जबकि दूसरे को स्थानीय निवासियों की सहायता से बाद में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

पकड़े गए आतंकवादियों को जम्मू लाया गया जहां संबंधित अधिकारियों द्वारा उससे पूछताछ जारी है। प्रारंभिक पूछताछ में पकड़े गए आतंकवादी ने अपना नाम मोहम्मद नावेद उर्फ उस्मान निवासी फैसलाबाद, पाकिस्तान बताया है। उसने अपने मारे गए साथी का नाम मोहम्मद नोमेन उर्फ नोमीन (यह उसका कोड नाम है) निवासी भावलपुर, पाकिस्तान बताया है। इस संबंध में चेनानी पुलिस स्टेशन में एक केस एफआईआर नं. 60/2015 यू/एस 120/120-ब/307/302/आरपीसी, 7/25 आर्म्स एक्ट, 15/16 अनलॉफुल एक्टिविटीज प्रिवेन्शन एक्ट के तहत दर्ज किया गया है और आगे की जांच जारी है। आतंकवादियों से 2 एके 47 राइफल (मैगजीन के साथ), ग्रेनेड और गोला-बारूद आदि बरामद किया गया है। हम इस हमले की एवं जम्मू कश्मीर में शांतिपूर्ण माहौल को सीमापार से आतंकवादियों द्वारा लगातार अस्थिर करने की कोशिशों की कड़े शब्दों में निन्दा करते हैं। संसद की ओर से हमले में शहीद हुए बीएसएफ के जवानों के प्रति मैं हृदय से शोक एवं इस माइंडलेस वॉयलेंस में घायल जवानों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं। बॉर्डर सिक्यूरिटी फोर्स, जम्मू कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ के जवानों ने क्षति को कम करने और हमले को विफल करने में अदम्य साहस का परिचय दिया है तथा जवानों के इस कॉरजियश एक्शन के लिए शहीद हुए जवानों के परिजनों को एक्स-ग्रेशिया कम्पन्सेशन एवं नौकरी देने के अतिरिक्त सरकार तत्काल सभी को गैलेन्ट्री पुरस्कार देने के लिए भी विचार कर रही है। हम विशेÂ◌ा रूप से उन निहत्थे ग्रामीणों के अदम्य साहस की प्रशंसा करते हैं जिन्होंने अपनी जान को जोखिम में डाल कर पूरी तरह से हथियारों से लैस आतंकवादियों को बिना अपनी सुरक्षा की परवाह किए धर-दबोचने में कामयाबी पाई। इस संबंध में उन ग्रामीणों को उनके इस साहसी कार्य को रिक्गनाइज एवं पुरस्कृत करने के लिए राज्य सरकार से हम अनुरोध करेंगे।

हमें पूरा विश्वास है कि पकड़े गए आतंकवादी की जांच से उनके मोडस ऑपरेंडी, सीमा पार से आतंकवाद और उद्देश्यों के बारे में विस्तृत जानकारी मिलेगी। सरकार पूर्ण संकल्प के साथ अपने देशवासियों एवं सुरक्षा बलों की सेफ्टी एंड सिक्युरिटी के लिए आतंकवाद से सख्ती से निपटने के लिए प्रतिबद्ध है।

अध्यक्ष महोदया, मैं सदन को यह बताना चाहता हूं कि इस घटना के एक महीने के अंदर पांच बार घुसपैठ की कोशिशें की गई, इन पांच घुसपैठ की कोशिशों में चार घुसपैठ की कोशिशों को हमारे सेना के जवानों और पैरा मिलिट्री फोर्सेज के जवानों ने नाकाम करने में पूरी कामयाबी हासिल की और 8 आतंकवादियों को न्यूट्रलाइज भी करने में कामयाबी हासिल की है। मैं सुरक्षा बल के जवानों के साहस, शौर्य और पराक्रम की भूरी-भूरी प्रशंसा इस सदन के समक्ष करना चाहता हूं।

<u>12.10 hrs</u>